



M.A. (Final)

Term End Examination, 2017-18

ECONOMICS

Paper - II

Public Economics

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 100

[Minimum Pass Marks : 36

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Answer any **five** questions. All questions carry equal marks.

1. आर्थिक नियोजन एवं विकास हेतु सरकार की एक एजेंट के रूप में भूमिका का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

Critically examine the role of government as an agent for economic planning and development.

(2)

2. द्वितीय श्रेष्ठ सिद्धान्त क्या है? इसका महत्व क्या है?

What is the theory of Second Best? What is its importance?

3. “लोक व्यय एक दोधारी अस्त्र है।” इस कथन के संदर्भ में कीमतों और उत्पादन पर सार्वजनिक व्यय के प्रभावों की विवेचना कीजिए।

“Public expenditure is a double-edged sword.”
Discuss the effects of public expenditure on price and production in context of this statement.

4. दोहरे करारोपण से आप क्या समझते हैं? इसके दुष्परिणामों की विवेचना कीजिए और इससे बचने के सुझाव दीजिए।

What do you understand by double taxation?
Discuss the evil consequences of double taxation and give suggestion to avoid it.

5. लोक ऋण के प्रबंध से आप क्या समझते हैं? इसकी मौजूदा समस्या क्या है? इनके समाधान के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

What do you understand by public debt management? What is the current issue of this management? What steps have been taken to solve them?

(3)

6. राजकोषीय नीति के उद्देश्यों की व्याख्या कीजिए।
राजकोषीय नीति और मौद्रिक नीति किस प्रकार
एक दूसरे पर निर्भर करती है ? समझाइए।

Explain the aims of Fiscal Policy. How Fiscal Policy and Monetary Policy are dependent on each other ? Explain.

7. भारत में हाल के वर्षों में कर सुधार की दिशा में
उठाए गए कदमों का मूल्यांकन कीजिए।

Attempt an appraisal of the measures of tax reforms adopted in India in recent years.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ
लिखिए :

- (a) मेरिट वस्तुएँ
- (b) करारोपण के सिद्धान्त
- (c) क्रियात्मक वित्त
- (d) कार्यक्रम बजट

Write short notes on any **two** of the following :

- (a) Merit goods
- (b) Canons of taxation
- (c) Functional finance
- (d) Programme budgeting

(4)

9. तेरहवें वित्त आयोग की मुख्य सिफारिशों को बताइए और उनका आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

State the main recommendations of thirteenth Finance Commission and evaluate them critically.

10. “सार्वजनिक अधिनियमों की आय और व्यय का लेखा मात्र होते हुए भी बजट, नीति का व्यापक यंत्र बन गया है।” इस कथन की व्याख्या कीजिए।

“From being mere record of expenditure and revenue of public authorities the budget has become a major instrument of policy.” Analyse this statement.
